Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to confer Bharat Ratna on revolutionary leader Vir Savarkar.

श्री गोपाल शेट्टी (मुम्बई उत्तर): माननीय अध्यक्ष जी, यह सर्वविदित है कि भारत के महान क्रांतिकारी वीर सावरकर विश्व भर के क्रांतिकारियों में अद्वितीय रहे हैं । वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रिम पंक्ति के सेनानी एवं प्रखर राष्ट्रवादी नेता थे तथा उनका नाम ही भारतीय क्रांतिकारियों के लिए उनका संदेश था । वीर सावरकर एक महान क्रांतिकारी, इतिहासकार, समाज-सुधारक, विचारक, चिंतक एवं साहित्यकार थे तथा उनकी पुस्तकें क्रांतिकारियों के लिए गीता के समान थीं । सर्वप्रथम उन्होंने राष्ट्रध्वज तिरंगे के बीच में धर्म चक्र लगाने का सुझाव दिया था, जिसे तत्कालीन राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद जी ने स्वीकार किया था । सबसे पहले उन्होंने ही राष्ट्र की पूर्ण स्वतंत्रता हेतु भारत की स्वतंत्रता आंदोलन का लक्ष्य घोषित किया । वीर सावरकर ही ऐसे प्रथम राजनीतिक बंदी थे, जिन्हें फ्रांस, विदेशी भूमि पर बंदी बनाने के कारण मामला हेग के अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में पहुंचा । साथ ही साथ, वे पहले ऐसे क्रांतिकारी रहे, जिन्होंने राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का चिंतन किया तथा बंदी जीवन समाप्त होते ही, अस्पृश्यता आदि कुरीतियों के विरोध में आंदोलन शुरू किया ।

अंत में, मैं सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह राष्ट्र के महान क्रांतिकारी और समाज सुधारक वीर सावरकर को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने हेतु आवश्यक निर्देश दे ।

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सत्र के लिए दो दिनों का समय बचा है । मैं सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करूंगा कि सभी माननीय सदस्य शून्य काल में अपना विषय उठा सकें । इसलिए आप सभी की अनुमति हो तो एक मिनट में अपना विषय रख दें । अगर ज्यादा महत्वपूर्ण विषय है तो मैं 15 सेकेंड का और समय दे दूंगा । क्या आप सभी की सहमति है?

अनेक माननीय सदस्य : हां, हां ।